कॉन्सेप्ट मैपिंग

पाठ्यक्रम के बहुत से ऐसे अध्याय होते हैं, जो बहुत बड़े और आसानी से याद नहीं किये जा सकते। विज्ञान जैसे विषयों में तो छात्र उसे कंठस्थ भी नहीं कर सकते। वैसे भी शिक्षा का उद्देश्य 'तोता' बनाना नहीं बल्कि ज्ञानी (जीनियस) बनाना है। लंबे और नीरस पाठों को आप कॉन्सेप्ट मैपिंग के द्वारा अपने मन-मस्तिष्क में आसानी से बिठा सकते हैं। कॉन्सेप्ट मैपिंग दरअसल विषय की रूपरेखा है, जिसमें मुख्य शब्द या सांकेतिक शब्दों के माध्यम से वैचारिक आरेख चित्रित किया जाता है। अनेक विद्वान इसे विषय या अध्याय को मन में अंकित करने का अचूक उपाय मानते हैं और ये सिद्ध भी हुआ है। कॉन्सेप्ट मैपिंग न केवल सौद्देश्यपूर्ण नवाचार है बल्कि छात्रों के लिये पर्सनल लर्निंग डॉक्यूमेंट फ्रेमवर्क भी है, जो पुनर्स्मरण (रिवीजन) के लिये श्रेष्टतम युक्ति है।

नवाचारक

डॉ. श्रवण कुमार गुप्त, पू॰ मा॰ वि॰ देहली विनायक, सेवापुरी, वाराणसी

नवाचार के क्षेत्र

1. सीखने के स्तर में सुधार
2. कक्षा में स्वयं सीखने का वातावरण
3. शिक्षकों की शिक्षण के प्रति अभिरुचि के स्तर में सुधार

किन विद्यालयों में उपयुक्त है : प्रत्येक विद्यालय में लागू किया जा सकता है।

नवाचार का सार

जटिल विषयों के कारण छात्रों की पाठ्यक्रम में अरुचि, याद रखने की अक्षमता एवं विद्यालय में अनुपस्थिति की परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं। उन्हें कॉन्सेप्ट मैपिंग द्वारा सभी विषयों के पाठ्यक्रम को सरलता से समझाया जा सकता है। इस नवाचार की सहायता से अध्यापकों को पाठ्यक्रम योजना बनाने में भी सहायता मिलती है।

क्रियान्वयन

कॉन्सेप्ट मैपिंग द्वारा छात्रों को विषय बोध कराना अत्यन्त सरल हो जाता है। छात्रों पर प्रथम प्रभाव इसकी रुपरेखा से ही पड़ जाता है। आकर्षक लगने वाली चीजें छात्रों का ध्यान अपनी ओर केन्द्रित करती हैं, जिससे छात्र उसे पढ़ने एवं समझने का प्रयास स्वयं ही करने लगता है। यदि उन्हें समझ न आये तो शिक्षक उन्हें हर प्रकार की सहायता प्रदान करते हैं।

पूर्व क्रियान्वयन

इस नवाचार का क्रियान्वयन करने के पहले किसी भी शिक्षक को सीमित संसाधनों एवं समय का बोध होना आवश्यक है। यह नवाचार चार्ट पेपर, A–4 साइज का पेपर अथवा श्यामपट्ट अथवा छात्रों की कॉपी पर स्केच पेन, स्केल, पेन्सिल आदि से बनाया जा सकता है। इसका निर्माण करने में 30 से 60 मिनट लगेंगे।

चरण

1. इनमें किसी भी विषय के पाठ्यक्रम में निहित ज्ञान को शिक्षक द्वारा छात्रों के सामने एक 'ग्राफीय निरुपण' के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है।

2. कोई भी शिक्षक किसी भी विषय के पाठ्यक्रमीय बिन्दुओं को फ्लोचार्ट के अंदर सार्थक शब्दों व उचित चित्रों का प्रयोग करते हुए अपना कॉन्सेप्ट मैप बना सकता है। उचित शब्दों व चित्रों का प्रयोग करके सभी छात्रों को शिक्षक द्वारा बनाये गये कॉन्सेप्ट मैपिंग की तरह उनकी कॉपी, चार्ट पेपर या A–4 पेपर पर बनाने के लिये प्रेरित किया जाता है।

3. इस प्रकार सभी छात्र कॉन्सेप्ट मैपिंग द्वारा किसी भी विषय के पाठ्यक्रम को सरलता से प्रभावपूर्ण एवं 'तथ्यों' सहित मस्तिष्क में स्थायी तौर पर ग्रहण कर लेते हैं। शिक्षक द्वारा सभी छात्रों को व्यक्तिगत और सामूहिक कार्य के रूप में कॉन्सेप्ट मैपिंग का कार्य करवाया जाना चाहिए।

परिणाम

1. छात्र सभी विषयों की पाठ्यवस्तुओं को सरल, रोचक, प्रभावी तरीके से समझते हुए सीख लेते हैं।

2. यह नवाचार पुनः अध्ययन हेतु लाभकारी है।

3. शिक्षा के सभी स्तरों पर पढ़ाये जाने वाले विषयों के पाठ्यक्रमों का कॉन्सेप्ट मैप बनाया जा सकता है।

4. 'शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया' को सरल, रोचकपूर्ण तरीके से समझते हुए प्रभावी बना सकता है।

5. कक्षा में सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के लिये सहायक।

6. शिक्षक अपने शिक्षण कार्यों के प्रभाव तथा छात्रों के सीखने की उपलब्धियों का आकलन भी इस नवाचार का प्रयोग करके कम समय में ही कर सकता है।

7. छात्रों की उपलब्धियों का आकलन कॉन्सेप्ट मैपिंग द्वारा किया जा सकता है।

8. छात्रों के सीखने की दर में वृद्धि की जा सकती है।

9. छात्रों के ज्ञान तथा उनकी समझ को स्थायी एवं प्रभावी बनाया जा सकता है।

10. एक शिक्षक को अपने विषय के विभिन्न पाठों को किस माह में कितना पढ़ाना है, की जानकारी प्राप्त होगी।

यदि विज्ञान का विषय 'प्रकाश' पढ़ाना है तो कॉन्सेप्ट मैपिंग के द्वारा इस विषय को सरलता से छात्रों को समझाया जा सकता हैं।

1. इसके लिये प्रकाश को चार्ट पेपर के मध्य में बॉक्स बनाकर उसमें लिखा जाये।

2. इसके बाद छात्रों से प्रकाश के स्रोत के बारे में पूछते हुए, उत्तर दूसरे बॉक्स में लिख दीजिए।

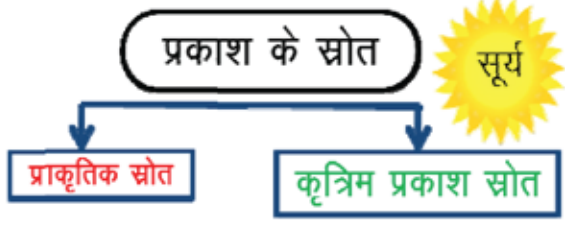

3. उदाहरण देते हुए इस चरण को पूरा करे।

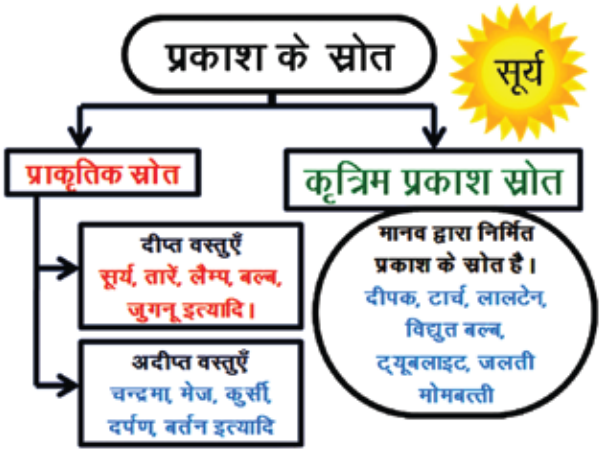

4- इसके पश्चात् छात्रों को परावर्तन भी समझाया जा सकता है और मैप पूरा किया जा सकता है।

5- इस प्रकार छात्रों को प्रकाश का संचारण भी समझाया जा सकता है।

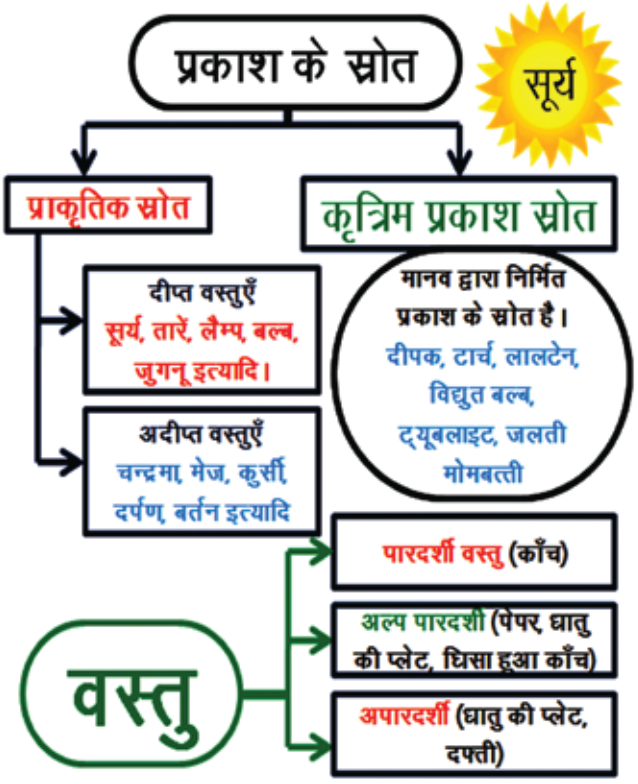

6- संपूर्ण विषय समझाने के लिये और पुनः अध्ययन के लिये छात्रों को ग्रहण भी इसी कॉन्सेप्ट मैप के द्वारा समझाये जा सकते है।

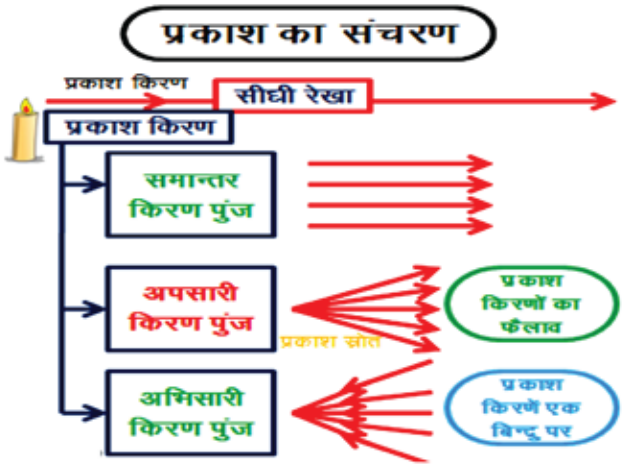

कन्सेप्ट मैपिंग

विषय–विज्ञान **प्रकाश** कक्षा–7

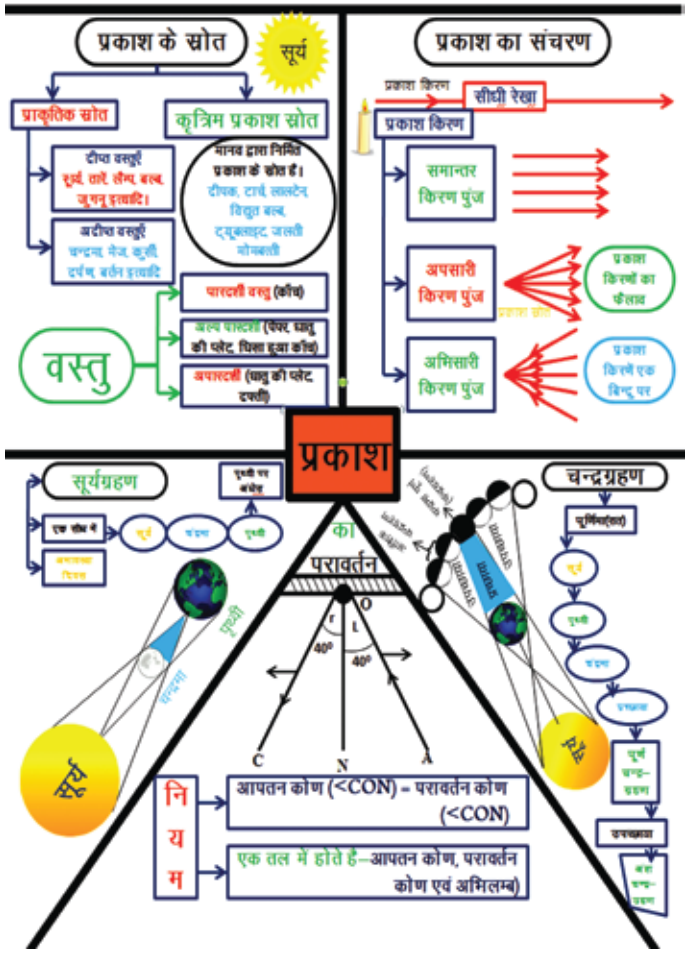

नोट : कॉन्सेप्ट मैपिंग का सबसे सुखद एवं प्रभावी परिणाम यह है कि एक शिक्षक अपनी शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी बना देते हैं तथा छात्र अपने सभी विषयों के पाठ्यक्रमीय ज्ञान को आसानी से समझ लेते हैं। ■

पाठ्यक्रम विभाजन एवं क्रियान्वयन की योजना का कन्सेप्ट मैपिंग

भाषा के विषयवार पाठ्यक्रम का कन्सेप्ट मैपिंग
(उच्च प्राथमिक कक्षा 6, 7 व 8 के लिए)